हकेंविवि जाट-पाली में प्रशिक्षण सत्र का आयोजन

कुपोषण की समस्या से बच्चों को हो रहे नुकसान और उससे बचाव पर मंथन

- 22 अधिकारी और 20 छात्र सत्र में हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। हकेंविवि जाट-पाली में आयोजित प्रशिक्षण सत्र में भाग लेते अधिकारी एवं छात्र। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय जाट-पाली के न्यूट्रीशन बॉयोलॉजी विभाग ने वीरवार को बेटी बचाओ-बेटी पढाओ, प्रारंभिक बाल पोषण स्वास्थ्य, लाभकारी खाद्य पदार्थों के संबंध में पर्यवेक्षकों व बाल विकास कार्यक्रम अधिकारियों सीडीपीओ के लिए विश्वविद्यालय में विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया। महेंद्रगढ़ जिले के बाल विभाग के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में 22 अधिकारियों से सहित विश्वविद्यालय के 20 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। महेंद्रगढ़ जिला प्रशासन की ओर से शुरू किए गए पायलट प्रोजेक्ट के अंतर्गत आयोजित इस प्रशिक्षण सत्र में जिले में कुपोषण की समस्या से बच्चों को हो रहे नुकसान और उससे बचाव के उपायों पर विचार किया गया। इस पायलट प्रोजेक्ट का उद्देश्य आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों को सुरक्षित, स्वच्छ व स्वस्थ विकास प्रदान करना है। न्यूट्रीशन बायोलॉजी विभाग की प्रोफेसर जीके कोचर कहती है कि इस प्रोजेक्ट के माध्यम से बच्चों और विशेष रूप लड़कियों के पोषण को लेकर ध्यान दिया जा रहा है। डा. कोचर ने बताया कि इस प्रयास में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय एक नॉलेज पार्टनर के तौर पर कार्यरत है। विश्वविद्यालय में अधिकारियों व विद्यार्थियों के लिए आयोजित इस प्रशिक्षण सत्र में न्यूट्रीशन बायोलॉजी विभाग की डा. जीके कोचर ने मुख्यमंत्री के सुशासन अभियान से जुडे.सैम दसुरु के साथ मिलकर इस कार्यक्रम को तैयार किया। प्रशिक्षण सत्र के दौरान डा. अश्विनी कुमार, डा. तेजपाल विभाग की डा. सविता और डा. अनीता ने विभिन्न सत्रों में हिस्सा लिया।

ह.कें.वि. में प्रशिक्षण सत्र का आयोजन

महेन्द्रगढ़, 13 अप्रैल (मोहन): हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के न्यूट्रीशन बायोलॉजी विभाग ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रारंभिक बाल पोषण स्वास्थ्य, लाभकारी खाद्य पदार्थों के संबंध में पर्यवेक्षकों व बाल विकास कार्यक्रम अधिकारियों (सी.डी.पी.ओ.) के लिए विश्वविद्यालय में विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया। महेंद्रगढ़ जिले के बाल विभाग के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में 22 अधिकारियों से सहित विश्वविद्यालय के 20 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

महेंद्रगढ़ जिला प्रशासन की ओर से शुरू किए गए पायलट प्रोजैक्ट के अंतर्गत आयोजित इस प्रशिक्षण सत्र में जिले में कुपोषण की समस्या से बच्चों को हो रहे नुक्सान और उससे बचाव के उपायों पर विचार किया गया। इस पायलट प्रोजैक्ट का उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों को सुरक्षित, स्वच्छ व स्वस्थ विकास प्रदान करना है। न्यूट्रीशन बायोलॉजी विभाग की प्रोफैसर जी.के. कोचर कहती हैं कि इस प्रोजैक्ट के माध्यम से बच्चों और विशेष रूप लड़कियों के पोषण को लेकर ध्यान दिया जा रहा है। डा. कोचर ने बताया कि इस प्रयास में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय एक नॉलेज पार्टनर के तौर पर कार्यरत है।

विश्वविद्यालय में अधिकारियों व विद्यार्थियों के लिए आयोजित इस प्रशिक्षण सत्र में न्यूट्रीशन बायोलॉजी विभाग की डा. जी.के. कोचर ने मुख्यमंत्री के सुशासन अभियान से जुड़े सैम दसुरु, के साथ मिलकर इस कार्यक्रम को तैयार किया। प्रशिक्षण सत्र के दौरान डा., अश्विनी कुमार, डा. तेजपाल, विभाग की डा. सविता और डा. अनीता ने विभिन्न सत्रों में हिस्सा लिया।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Fri, 14 April 2017
epaper.punjabkesari.in//c/18294286